

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष – 02 अंक – 276 बेमेतरा, मंगलवार 02 जून 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज – 08 मूल्य – 5 रुपये डाक पंजीयन– दुर्ग/1743290201/2025–27

संक्षिप्त समाचार

मंदिर से लौट रहे तीन दोस्तों को स्कॉर्पियो ने रौंदा, दो की मौत

सुलतानपुर। देहात कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फ़ार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, राममूरत पुत्र छोटई निवासी ग्राम आरडीह, धर्मराज निवासी ग्राम आरडीह तथा विजय बहादुर पुत्र श्रीराम दास निवासी ग्राम लौहर, थाना धर्माौर, एक ही बाइक पर सवार होकर लोहरामा मंदिर क्षेत्र से लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि तीनों किसी लड़की को देखने गए थे और वापस घर आ रहे थे। इसी दौरान देहात कोतवाली क्षेत्र में उनकी बाइक को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान राममूरत और धर्मराज की मौत हो गई।

अभिषेक बनर्जी पर हमले में गिरफ्तार पांच लोगों

कोलकाता। दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने आज जोर शोर से गिरफ्तारी अभियान चलाया व 5 लोगों को गिरफ्तार किया है सोनारपुर पुलिस ने वीडियो फ़ूटेज के आधार पर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि कई अन्य संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। टीएमसी नेता की तरफ से कोई औपचारिक शिकायत न मिलने पर पुलिस ने स्वतः सज़ान लेते हुए यह एफ़्भाईआर दर्ज की है। गिरफ्तार किए गए कई लोगों का संबंध सोनारपुर की पूर्व टीएमसी विधायक लवली मैत्रा के साथ पाया गया है, जिसे लेकर अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या यह घटना सिर्फ़ हिंसा का एक अन्य मामला था या फिर पार्टी के भीतर गहरे मतभेदों की तरफ इशारा करती है या घटना प्रयोजित या साजिश का कोई हिस्सा थी। गिरफ्तार आरोपियों में तपन माझी, आकाश गयान, निर्मल्य सेनगुप्ता, उर्फ जॉय, काजल दास और देबाशीष दत्ता का नाम शामिल है।

गोल्फ ग्रीन के एक फ्लैट में युवा जोड़े की रहस्यमयी मौत

कोलकाता। महानगर कोलकाता के गोल्फ ग्रीन स्थित अरबिंदो नगर में आज तब हड़कंप मच गया जब यहां स्थित एक फ्लैट में एक युवा जोड़े की रहस्यमयी मौत की घटना घटी। जिस युवक का शव मिला है उसकी शिनाख्त मो. दिलशाद के तौर पर हुई है लेकिन मृत युवती का परिचय नहीं मिल सका है। पुलिस व स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार यह जोड़ा एक बहुमंजिला इमारत की चौथी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में साथ रह रहा था। इसी फ्लैट में कभी-कभी तमाग जोड़े आकर रुकते थे। कमरे से नशीले पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

‘आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई’

अमेरिका ने ईरान के रडार और ड्रोन ठिकानों पर किया हमला

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच जारी राजनयिक तनातनी के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अमेरिकी सेना ने ईरान के रडार और ड्रोन ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर इस सैन्य कार्रवाई की पुष्टि की है। अमेरिका के मुताबिक, वीकेंड (सप्ताहांत) पर ईरान के गोरुक और केशम द्वीप पर स्थित रडार इंस्टॉलेशन और ड्रोन कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर्स को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेना ने इसे ईरान के आक्रामक रवैये के खिलाफ 'आत्मरक्षा' में उठाया गया एक नपा-तुला और सोचा-समझा कदम बताया है। सेंटकॉम के अनुसार, यह

ऑपरेशन तब शुरू किया गया जब ईरान ने कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र के ऊपर उड़ान भर रहे एक अमेरिकी एमक्वू-1 ड्रोन को मार गिराया था। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने दावा किया है कि उनके लड़ाकू विमानों ने ईरान के हवाई रक्षा तंत्र (एयर डिफेंस सिस्टम), एक ड्रोन कंट्रोल स्टेशन और दो 'वन-वे अटैक ड्रोन' को पूरी तरह नष्ट कर दिया। अमेरिकी सेना का कहना है कि ये ईरानी सैन्य संपत्तियां क्षेत्र के समुद्री मार्ग में वाणिज्यिक (कमर्शियल) और सैन्य जहाजों के लिए सीधा खतरा पैदा कर रही थीं, जिसके बाद यह त्वरित कार्रवाई की गई। इस पूरे ऑपरेशन में किसी भी अमेरिकी सैनिक के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।



यह सैन्य हमला ठीक ऐसे समय में हुआ है, जब दोनों देशों के बीच महीनों से जारी तनाव को कम करने के लिए राजनयिक प्रयास चल रहे हैं। इस हमले से ठीक एक दिन पहले ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी नए समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर अपना रुख कड़ा कर लिया था। ईरान

की संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर गालिबफ ने टेलीविजन पर दिए अपने संबोधन में कहा था कि ईरानी वार्ताकार अमेरिकी प्रतिबद्धताओं को लेकर बेहद सतर्क हैं। उन्होंने साफ़किया कि तेहरान केवल वाशिंगटन के आश्वासनों पर भरोसा नहीं करेगा और कोई भी समझौता तभी मंजूर होगा जब ईरानी

जनता के अधिकारों और राष्ट्रीय हितों की पूरी रक्षा की जाएगी। ईरान की सबसे प्राथमिक मांग है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों को पूरी तरह हटाया जाए। इसके साथ ही तेहरान विदेशी बैंकों में प्रीज (जब्त) पड़ी अपनी अरबों डॉलर की संपत्ति तक दोबारा पहुंच बनाने की मांग कर रहा है। ईरानी अधिकारियों का तर्क है कि किसी भी स्थायी समझौते के लिए प्रतिबंधों से वास्तविक राहत मिलना अनिवार्य है। इसके अलावा, ईरान 'स्ट्रेट ऑफ़ हार्मुज' को लेकर भी सुरक्षा गारंटी चाहता है, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है और जहां से वैश्विक कच्चे तेल का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है।

ईरान के दो द्वीपों पर फाइटर जेट से भीषण बमबारी,खाड़ी में युद्ध का अलर्ट.....

मीडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष साल 2026 में एक और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेना ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अपने एक जासूसी ड्रोन को मार गिराए जाने के जवाब में ईरान के खिलाफ बड़ी सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया है। सोमवार को अमेरिकी फ़ाइटर जेट्स ने ईरान के दो द्वीपों पर भीषण बमबारी की, जिससे क्षेत्र में पूर्ण युद्ध छिड़ने की आशंका गहरा गई है। तनाव की शुरुआत तब हुई जब ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा में उड़ रहे अमेरिकी स्कू-1 ड्रोन को मार गिराया। अमेरिका ने इसे 'उकसावे वाली कार्रवाई' करार देते हुए आत्मरक्षा में कदम उठाने का फैसला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, शनिवार और रविवार को अमेरिकी वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने तेजी से पलटवार किया। और ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

हादसे में फैक्ट्री में हड़कंप मच गया

लुधियाना की फैक्ट्री में जहरीली गैस लीक,पिता-पुत्र समेत 3 की दम घुटने से मौत,कई मजदूर बेहोश.....

नई दिल्ली। पंजाब के लुधियाना से एक बड़ा मामला सामने आया है। लुधियाना में औजार बनाने वाली एक फैक्ट्री में अचानक जहरीली गैस लीक होने का मामला सामने आया। इस हादसे में फैक्ट्री में हड़कंप मच गया। फैक्ट्री में इस समय कई मजदूर मौजूद थे। इस हादसे में पिता-पुत्र की दम घुटने से मौत हो गई है, जबकि कई मजदूर बेहोश हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, लुधियाना के आरके रोड स्थित एक पाना-चाबी निर्माता फैक्ट्री में जहरीली गैस लीक हो गई। इसमें पिता-पुत्र समेत तीन

मजदूरों की मौत हो गई। इस घटना से फैक्ट्री में हड़कंप मच गया और कर्मचारी गैस से बचने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हालाँकि, कई मजदूर गैस की चपेट में आ गए और बेहोश हो गए। बेहोश हुए मजदूरों में दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि रोजाना कि तरह आज भी उत्पादन का काम किया जा रहा था। तभी अचानक से पाइपलाइन से गैस लीक होना शुरू हो गई और पूरे इलाके में फैल गई। गैस इतनी जहरीली और घातक थी कि मजदूरों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला और वे वहीं



बेहोश हो गए। लुधियाना में चीमा चौक के पास इंडस्ट्रियल 'ए' ब्लॉक में स्थित एक मशीन टूल फैक्ट्री में कचरा निपटाने के दौरान गैस लीक होने से तीन लोगों की मौत हो गई। लुधियाना के छष्टक

हरपाल सिंह ने बताया कि इस हादसे में तीन लोगों की जान चली गई है। दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। यह घटना देर रात करीब 2:30 बजे हुई।

हादसे में मारे गए मृतकों की पहचान माना और उनके बेटे अमित के रूप में हुई है। पुलिस तीसरे मृतक की पहचान करने में जुटी है। घटना के वक्त वे दोनों मशीन के नीचे से मिट्टी को ढ़ाली में लोड कर रहे थे, तभी लीकेज हुआ और वे तीनों सीधा इसके संपर्क में आ गए। उन्हें जान बचाने का मौका तक नहीं मिला और उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुंची। लुधियाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया और मृतकों को के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पीएम को आमों के बारे में बोलने का समय है

18.5 लाख बच्चों के बारे में बोलने का समय ही नहीं है...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को आड़े लेते हुए सीबीएसई पर भी जमकर बरसे हैं. राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि सीबीएसई आधुनिक मशीनों की जगह पर उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन करने के लिए मोबाइल का इस्तेमाल किया, जिससे विद्यार्थियों का परिणाम प्रभावित हुआ है. सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने सार्वजनिक रूप से जांच की मांग की है. सांसद ने आगे कहा कि सीबीएसई के टेन्डर 2025 के अंतर्गत उत्तर पुस्तिकाओं को स्वचालित रोबोटिक स्कैनर से स्कैन



करने की शर्त थी. सांसद राहुल गांधी ने आगे कहा कि टेंडर की शर्तों में बदलाव कर एक विशेष कंपनी को फ़ायदा पहुंचाया गया और इसका खामियाजा छात्रों को भुगताना पड़ा. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी के पास तरह-तरह के आमों के बारे में बोलने का

भरपूर समय था. लेकिन हमारे प्रधानमंत्री के पास उन 18.5 लाख बच्चों के बारे में बोलने का समय नहीं है, जिनकी उत्तर पुस्तिकाओं को फ़ोन से स्कैन किया गया ना कि स्वचालित रोबोटिक स्कैनर से जिसके कारण बच्चों का भविष्य अधर में लटका हुआ ह लोकसभा में विपक्ष के नेता सांसद राहुल गांधी ने आगे कहा कि सीबीएसई बोर्ड के ओएसएम मामले में पीएम मोदी की चुप्पी उनकी उदासीनता नहीं बल्कि मिलीभगत को दर्शाती है. सीबीएसई के टेंडर में कॉपियों की बाईंडिंग सुरक्षित रखने और कम से कम 300 डीपीआई गुणवत्ता में स्कैनिंग करने का प्रावधान भी रखा गया था.

नहाने गए सगे भाई बहन की तालाब में डूबने से मौत

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र के कटियाही गांव में तालाब में डूबने से सगे भाई-बहन की मौत हो गई। काफी देर बाद दोनों का शव तालाब से बाहर निकाला गया। तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कटियाही गांव निवासी मनमोहन यादव की पुत्री सुषमा यादव की शादी सोराव क्षेत्र में अवधेश कुमार यादव के साथ हुई है। सुषमा को पांच बच्चे तीन बेटे और दो बेटियां हैं। गर्मी की छुट्टी में वह मायके कटियाही आई थी। रविवार उसके दो बच्चे सचिन (12) और मधु (14) नहाने के लिए घर के पास स्थित तालाब में गए थे।

शराब सिंडिकेट पर ईडी का शिकंजा

ढेबर-टुटेजा से जुड़ी एक हजार करोड़ से अधिक की संपत्तियां अटैच

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने आरोपी अनवर ढेबर और पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा से जुड़ी 1 हजार करोड़ से अधिक बाजार मूल्य की संपत्तियां अटैच की है। ईडी का दावा है कि 2019 से 2023 के बीच आरोपियों ने शराब घोटाला कर 2883 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध कमाई की है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए विकास अग्रवाल और अनवर ढेबर से जुड़ी कई संपत्तियां अटैच की गई हैं। रायपुर के ढेबर सिटी समेत कई जमीनें ईडी ने कुर्क किए हैं। गोवा के अंजुना स्थित लग्जरी होटल वेस्टिन गोवा को भी अटैच किया गया है। ईडी ने

विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत तीन अनंतिम कुर्की आदेश (पीएओ) जारी किए हैं, जिसमें 200 करोड़ रुपये के विलेख मूल्य और 1000 रुपये से अधिक के संयुक्त बाजार मूल्य के साथ संपत्तियों को अस्थायी रूप से संलग्न किया गया है। ईओडब्ल्यू/एसबी, रायपुर द्वारा दर्ज एफ़्भाईआर के आधार पर ईडी की जांच से पता चला है कि अनवर ढेबर और अनिल टुटेजा (सेवानिवृत्त आईएएस) के नेतृत्व वाले एक शराब सिंडिकेट ने वरिष्ठ राज्य अधिकारियों, शराब बनाने वाली भट्टियों के मालिकों और निजी संस्थाओं के साथ मिलीभगत करके 2019 से 2023 के बीच छत्तीसगढ़ उत्पाद शुल्क तंत्र में व्यवस्थित रूप से हेफ़र किया और



1000 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध की आय अर्जित की। शराब की खरीद दरों में कृत्रिम वृद्धि, अवैध रूप से बिना हिसाब वाली शराब का निर्माण और पसंदीदा संस्थाओं को दिए गए एफ़्फ़ाल-10ए लाइसेंसों के माध्यम से कमीशन की वसूली के जरिए 2,883 करोड़ रुपए की

अवैध कमाई की गई। पहले पीएओ ने विकास अग्रवाल और अनवर ढेबर के संबंध में अचल संपत्तियों को कुर्क हिसाब वाली शराब का निर्माण और जमीनी स्तर के वित्तीय प्रबंधक के रूप में काम करते थे। डिस्टिलरी और एफ़्फ़ाल-10 ए लाइसेंसधारियों से कमीशन इकट्ठा

करते थे और सीधे अनवर ढेबर को फंड भेजते थे। विकास अग्रवाल के परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद संपत्तियों को उनके अपराध की आय के बराबर मूल्य के रूप में संलग्न किया गया है। इसके अलावा अनवर ढेबर की बेनामी संपत्तियां ङ्क जिनमें ढेबर सिटी होम्स में कई भूखंड शामिल हैं। रायपुर (उनके लाभकारी नियंत्रण वाली एक फर्म मेसर्स ए. ढेबर बिल्डकॉन के माध्यम से आयोजित) और रायपुर में पांच भूमि पारसल (शेल संस्थाओं मेसर्स शाइनिंग स्टार बिल्डकॉन, मेसर्स मूनलाइट रियल एस्टेट, मेसर्स स्वरूप इंप्रोबिल्ड और मेसर्स जय गुरुदेव इन्फ्रस्ट्रक्चर के माध्यम से आयोजित) शराब घोटाले के माध्यम से लूटे गए अपराध की प्रत्यक्ष आय के रूप में भी संलग्न हैं।

नकली होलोग्राम के जरिए सरकारी दुकानों से बिक्री

जांच में सामने आया कि डिस्टिलरी मालिकों से अतिरिक्त शराब बनवाई गई और उस पर नकली होलोग्राम लगाकर सरकारी दुकानों से बिक्री कराई गई। आरोप है कि होलोग्राम सलायर बिधु गुप्ता को तैयार किया गया। खाली बोतलों की आपूर्ति और परिवहन की जिम्मेदारी अरविंद सिंह और उसके भतीजे अमित सिंह को दी गई। प्रदेश के 15 जिलों को शराब खपाने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। दुकानदारों को कथित तौर पर निर्देश दिया गया कि बिंदी का रिकॉर्ड सरकारी दस्तावेजों में दर्ज न किया जाए। शुरुआत में प्रति पेटी 2880 रुपये की एमआरपी रखी गई, जिसे बाद में 3840 रुपये तक बढ़ाया गया। डिस्टिलरी मालिकों को सलाई पर शुरुआत में 560 रुपये और बाद में 600 रुपये प्रति पेटी दिए जाने की बात भी सामने आई है।

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिले के सारंगढ़, सरिया और भटावांव सहित छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय आईटीआर में प्रवेश सत्र 2026 एवं 2026-28 के लिए संस्था में संचालित कोपा, फ़ैटर , वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन आदि व्यवसायों में रिक स्थानों हेतु ऑनलाइन प्रवेश के लिए राज्य सरकार ने आवेदन प्रक्रिया के लिए पोर्टल खोला है। पहले चरण में 10वीं उत्तीर्ण इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट सीजीआईटीआई डॉट एडमिशन डॉट एनआईसी डॉट इन पर जाकर 15 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी पोर्टल पर जाकर या नजदीकी चव्हांस सेंटर, कम्प्यूटर सेंटर के माध्यम से ऑनलाइन पंजीजन कर सकते हैं। इसके लिए लिंक है। एनआईसी द्वारा भेंटि और चयन सूची 16 जून को जारी किया जाएगा। सीट रिक होने पर यह प्रक्रिया 2 और 3 चरण में किया जाएगा।

संपादकीय

अब सीमा से पंद्रह किलोमीटर तक के क्षेत्र में हर अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और शून्य सहनशीलता की नीति के तहत ऐसे निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा।पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसपैठ और इससे जुड़ी आतंकवाद की समस्या ने भारत को किस स्तर तक नुकसान पहुंचाया है, वह छिपा नहीं है। हालांकि सीमा पर तैनात सुरक्षा बल के जवान अपनी ओर से पूरी कोशिश करते हैं कि पाकिस्तानी ठिकानों से भारत में घुसपैठ करने वालों को रोके, गिरफ्तार करें या फिर जरूरत

पड़ने पर उन्हें निशाना बनाया जाए। विरंडना यह है कि आज भी सीमा पर भारत को अक्सर घुसपैठ और आतंकी हमलों का सामना करना पड़ता है।इसकी एक बड़ी वजह सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था के तार और निगरानी का तंत्र अपेक्षित स्तर पर मजबूत न होने को माना जाता रहा है। फिर सीमा पर स्थित रिहाइशी इलाकों में भी कई बार आतंकी सूत्रों से जुड़े लोगों की पहचान नहीं पाने के अपने जोखिम हैं। शायद यही वजह है कि गुहमंत्रि अमित शाह ने साफ लहजे में पाकिस्तान सीमा के आसपास सुरक्षा के लिहाज

से सख्त नीति अपनाने को कहा है।गौरतलब है कि राजस्थान के सीमावर्ती इलाके के आसपास घुसपैठ और आतंकी हमलों का सामना करना है। घिषा नहीं है कि सीमा से सटे क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से अलग-अलग रूप में होने वाली घुसपैठ अंतिम तौर पर भारत में आतंकवाद की जड़ों को मजबूत करती है।खासतौर पर सीमावर्ती इलाकों में अवैध रूप से रहने वाले कुछ लोग कई बार आतंकीयों के लिए अप्रत्यक्ष सहायक के रूप में काम करते हैं। इनमें से कई लोग भ्रष्टाचार का सहारा लेकर न केवल

राजस्थान के सीमाई इलाके के जिलों में घुसपैठ, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाना है। यह छिपा नहीं है कि सीमा से सटे क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से अलग-अलग रूप में होने वाली घुसपैठ अंतिम तौर पर भारत में आतंकवाद की जड़ों को मजबूत करती है।खासतौर पर सीमावर्ती इलाकों में अवैध रूप से रहने वाले कुछ लोग कई बार आतंकीयों के लिए अप्रत्यक्ष सहायक के रूप में काम करते हैं। इनमें से कई लोग भ्रष्टाचार का सहारा लेकर न केवल

स्थानीयता का फर्जी दस्तावेज बनवा लेते हैं, बल्कि संदिग्ध वित्तीय लेनदेन, अवैध गतिविधियों और सीमा पर से मादक पदार्थों की तस्करी में भी लिप्त होते हैं।यह अकारण नहीं है कि आतंकवाद के खिलाफ चलने वाले अभियान के सामने अक्सर आतंरिक मोर्चों पर खड़ी जटिलताएं एक बड़ी चुनौती होती हैं। दरअसल, पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों ने सीमावर्ती इलाकों में अपना नेटवर्क खड़ा करने के लिए स्थानीय आबादी में घुसपैठ

करके अपनी जगह बनाने को एक ढांचे के रूप में विकसित किया है। इसके अलावा, वे कारोबारी प्रतिष्ठानों से संपर्क साध कर भी आतंकी संगठनों के वित्तपोषण का एक संजाल खड़ा करते हैं।पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को शह देने का मुद्दा कई बार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी उठ चुका है। भारत की ओर से लगातार चेतावनी और सख्ती के बावजूद सीमा पर घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगा पाना अब तक संभव नहीं हो सका है।

हीट वेव की गिरफ्त में भारत-तपती धरती, तड़पता जीवन

(**योगेश कुमार गोयल**)
वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ें-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है।

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चोट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से ‘अर्बन हीट आइलैंड’ का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे ‘अर्बन हीट आइलैंड’ का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चने और बुजुर्ग इस बढ़ते ‘डिस्कंपर्ट इंडेक्स’ के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता



की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे ‘हीट वेव’ कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों के अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैकड़ों लोगों की

के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय क्षेत्र के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया

पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोर्षों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौरफाा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, सूखा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के अनुसार सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं।

बशीर बद्र: यादों के उजालों का आखिरी चराग बुझ गया

(**प्रणय विक्रम सिंह**)
कुछ लोग मरते नहीं, भाषा के भीतर बस जाते हैं। जब उनके इंतकाल की खबर आती है तो ऐसा नहीं लगता कि कोई शख्स चला गया है, बल्कि ऐसा महसूस होता है कि जिंदगी की किसी पुरानी गली का एक चराग बुझ गया है। वह गली, जहां कभी मोहब्बत धीरे-धीरे चलती थी, जहां रिश्ते आवाज नहीं देते थे, अहसास देते थे, और जहां दर्द भी तहजीब के साथ बयान किया जाता था। बशीर बद्र साहब ऐसे ही शायर थे। उन्होंने उर्दू शायरी को महज अल्फाज़ की ज़ीनत नहीं बनाया, बल्कि उसे रोज़मर्रा की जिंदगी की धड़कनों से जोड़ दिया। उनकी शायरी में इश्क था, लेकिन सिर्फ़ आशिकी नहीं थी। उसमें तन्हाई थी, मगर शिकवा नहीं था। उसमें तन्हाई थी, लेकिन वह तन्हाई इंसान को तोड़ती नहीं, भीतर से और गहरा करती थी।आज जब बशीर बद्र साहब हमारे बीच नहीं हैं, तो उनकी याद सबसे पहले उनके ही एक शेर की शक्ल में आती है-

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए। शायद उन्हें भी मालूम था कि एक दिन ऐसा आएगा जब उनका जिसम तो इस दुनिया से रखसत हो जाएगा, लेकिन उनकी यादों के उजाले करोड़ों दिलों में बचे रहेंगे। वे उजाले जो किसी उदास शाम में हमारे कंधे पर हाथ रख देते हैं। वे उजाले जो किसी तन्हा रात में हमें टूटने नहीं देते। वे उजाले जो बताते हैं कि मोहब्बत अभी पूरी तरह मरी नहीं है।

बशीर बद्र ने मोहब्बत को सबसे ज्यादा इंसानी बनाया। उन्होंने उसे फ़लसफ़ा नहीं बनाया, न इंकलाब का नारा। उन्होंने उसे घरों, गलियों, रिश्तों और रोज़मर्रा की जिंदगी में ढूंढा। शायद इसी लिए उनकी शायरी सीधे दिल तक पहुंचती है।

उन्होंने लिखा था कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से ये नए मिज़ाज का शहर है, ज़रा फ़ासले से मिला करो। यह केवल एक शेर नहीं था। यह बदलते समाज की पूरी कहानी थी। वह समाज जहां रिश्ते बच रहे थे, लेकिन अपनापन धीरे-धीरे कम होता जा रहा था।

बशीर बद्र ने टूटते हुए संबंधों को भी बड़ी ख़ामोशी से दर्ज किया कि अच्छे तूम्हरे शहर का दस्तूर हो गया जिसको गले लगा लिया वो दूर हो गया।

कितने लोग हैं जिन्होंने यह शेर पढ़कर अपने किसी बिछड़े हुए दोस्त,

किसी खोए हुए रिश्ते या किसी अधूरी मोहब्बत को याद नहीं किया होगा?उनकी सबसे बड़ी ताकत यही थी कि वे हमारे निजी दुःखों को सामूहिक स्मृति बना देते थे।वह जानते थे कि जिंदगी किसी सीधी सड़क का नाम नहीं है। इसलिए उन्होंने लिखा अभी राह में कई मोड़ हैं, कोई आएगा कोई जाएगा, तूनें जिसने दिल से भुला दिया उसे भूलने की दुआ करो। यह शेर मोहब्बत से ज़्यादा जीवन का सबक है। स्वीकार का सबक। आगे बढ़ने का सबक। बशीर बद्र की शायरी में इंसान हमेशा इंसान बना रहता है। फ़रिशता नहीं बनता। शायद इसलिए उनका यह शेर आज और भी ज़्यादा सच लगता है। इसीलिए तो यहां अब भी अजनबी हूँ मैं, तमाम लोग फ़रिश्ते हैं, आदमी हूँ मैं। उन्होंने इंसान की कमज़ोरियों को छुपाया नहीं। उन्हें स्वीकार किया। उन्हें कविता बना दिया। और फिर एक दिन उन्होंने यह भी कहा चरागों को आंखों में महफूज़ रखना बड़ी दूर तक रात ही रात होगी। आज जब उनके इंतकाल की खबर आई है, तो यह शेर एक वसीयत जैसा लगता है। जैसे वे अपनी रवानगी से पहले हम सबको याद दिला रहे हों कि अंधेरो के समय में भी स्मृतियों के चराग़ बुझने नहीं चाहिए। उनकी शायरी में नदी भी बोलती थी और वक़्त भी अगर फुर्सत मिले पानी की तहरीरों को पढ़ लेना हर इक दरिया हज़ारों साल का अफ़साना लिखता है।

और सच यही है कि बशीर बद्र खुद भी एक दरिया थे। अनुभवों का, अहसासों का, यादों का। अब वह दरिया समुद्र में समा गया है, मगर उसकी रवानी बाकी है। लेकिन वे यह भी जानते थे कि इस दुनिया में बड़े लोगों के साथ रहने से अक्सर छोटे आदमी का वजूद और उसकी सादगी मिट जाती है। इसलिए एक बहुत बड़े जीवन दर्शन को दरिया और समंदर के रूपक से समझाते हुए उन्होंने लिखा

?बड़े लोगों से मिलने में हमेशा फ़ासला रखना जहां दरिया समुद्र से मिला दरिया नहीं रहता। आज जब हम उन्हें विदा कर रहे हैं, तो उनके ही एक शेर में उनकी पूरी विरासत दिखाई देती है दुश्मनी ज़म कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे।

किसानों के लिए कुछ भी कर जाते हैं पीएम मोदी

समुद्र में अटके खाद के 17 जहाज, हजारों किलोमीटर घुमा कर लाने की तैयारी

किसानों के हितों की रक्षा और देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाए रखना मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट मानना है कि किसानों को सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं आनी चाहिए, इसलिए जरूरत पड़ने पर सरकार इसके लिए खजाना खोलने से भी पीछे नहीं हटती । हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर खाद की आपूर्ति और कीमतों पर दबाव बढ़ा है, लेकिन केंद्र सरकार ने समय रहते कई महत्वपूर्ण कदम उठाकर यह सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है कि खरीफ और रबी मौसम में किसानों को खाद की कमी का सामना न करना पड़े ।

(नीरज कुमार दुबे) । पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद भारत आने वाले खाद से लदे 17 जहाज फारस की खाड़ी क्षेत्र में फंस गए हैं। इन जहाजों के अटकने से देश में खाद आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक वैकल्पिक योजना पर काम शुरू किया है। किसानों के हितों की रक्षा और देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाए रखना मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट मानना है कि किसानों को सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं आनी चाहिए, इसलिए जरूरत पड़ने पर सरकार इसके लिए खजाना खोलने से भी पीछे नहीं हटती। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर खाद की आपूर्ति और कीमतों पर दबाव बढ़ा है, लेकिन केंद्र सरकार ने समय रहते कई महत्वपूर्ण कदम उठाकर यह सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है कि खरीफ और रबी मौसम में किसानों को खाद की कमी का सामना न करना पड़े। वैकल्पिक परिवहन मार्गों की तलाश, अतिरिक्त आयात, बढ़ती सब्सिडी का बोझ उठाने की तैयारी और सक्रिय कुटनीतिक प्रयास इस बात का प्रमाण है कि किसानों की जरूरतों को पूरा करना सरकार की सबसे बड़ी चिंता है। रिपोर्टों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद भारत आने वाले खाद से लदे 17 जहाज फारस की खाड़ी क्षेत्र में फंस गए हैं। इन जहाजों के अटकने से देश में खाद आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते

हुए केंद्र सरकार ने एक वैकल्पिक योजना पर काम शुरू किया है। इसके तहत संबंधित बंदरगाहों पर जहाजों के पहुंचने के बाद खाद को सड़क मार्ग से लगभग 1200 किलोमीटर दूर सऊदी अरब के यनबू बंदरगाह तक पहुंचाया जाएगा। वहां से इसे फिर समुद्री मार्ग के जरिए भारतीय बंदरगाहों तक लाने की योजना बनाई जा रही है। यद्यपि यह मार्ग लंबा है और इसमें अधिक समय लगेगा, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में इसे सबसे व्यवहारिक विकल्प माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार खाद विभाग ने मंत्रियों के एक अनौपचारिक समूह को इस योजना की जानकारी दी है। अधिकारियों का मानना ​​है कि जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित होने के कारण सीधे मार्ग से आपूर्ति फिलहाल संभव नहीं है। देरी के कारण 60 से 70 दिनों तक अतिरिक्त समय लग सकता है, जिससे लागत भी बढ़ेगी। हालांकि सरकार का मानना ​​है कि खरीफ मौसम के दौरान किसानों को खाद की उपलब्धता बनाए रखने के लिए यह अतिरिक्त प्रयास जरूरी है। अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो इसका असर रबी फसलों की बुआई पर भी पड़ सकता है।

इसी चुनौती से निपटने के लिए भारत ने खाद आयात की दिशा में भी बड़े कदम उठाए हैं। केंद्र सरकार ने 17 लाख टन यूरिया के आयात के लिए नया वैश्विक निविदा आमंत्रित किया है। सरकारी क्षेत्र की राष्ट्रीय उर्वरक लिमिटेड ने पश्चिमी और पूर्वी तटों के लिए अलग-अलग मात्रा में आयात प्रस्ताव मागे हैं। इन खेपों को जुलाई के तीसरे सप्ताह तक रवाना करने की योजना बनाई गई है, ताकि धान, मक्का और सोयाबीन जैसी

प्रमुख खरीफ फसलों की बुआई से पहले पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जा सके।

हम आपको बता दें कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा यूरिया आयातक देश है और ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया का संघर्ष प्राकृतिक गैस तथा अमोनिया जैसी प्रमुख कच्ची सामग्रियों की आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है, तब मोदी सरकार ने दूरदर्शिता का परिचय दिया है। इससे पहले अप्रैल में भी 25 लाख टन यूरिया आयात के लिए निविदा जारी की गई थी। वैश्विक स्तर पर आपूर्ति बाधित होने और कीमतों में वृद्धि के बावजूद सरकार लगातार अतिरिक्त खरीद और भंडारण की नीति पर काम कर रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर केवल आपूर्ति व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा दबाव केंद्र सरकार के वित्तीय प्रबंधन पर भी पड़ रहा है। खाद विभाग के नवीनतम आकलन के अनुसार यदि मौजूदा वैश्विक कीमतें बनी रहती हैं तो चालू वित्त वर्ष में खाद सब्सिडी का बोझ बढ़कर लगभग 3.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जबकि इसके लिए बजट में केवल 1.7 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। युद्ध के बाद यूरिया की वैश्विक कीमतों में 120 प्रतिशत से अधिक, डीएपी में 38 प्रतिशत, सल्फर में 87 प्रतिशत और अमोनिया में 84 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। रुपये की कमजोरी के कारण लागत में अतिरिक्त बढ़ोतरी हो हुई है। भारत डीएपी, पोटाश और एनपीके जैसे प्रमुख उर्वरकों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में उथल-पुथल का सीधा असर देश पर पड़ता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार

किसानों पर अतिरिक्त बोझ डालने के बजाय सब्सिडी के माध्यम से राहत देने की नीति पर कायम है। अधिकारियों का मानना ​​है कि यदि तनाव लंबा चला तो जहाजों की सामान्य आवाजाही बहाल होने में दो से तीन महीने लग सकते हैं, जबकि तेल और गैस आपूर्ति पूरी तरह पटरी पर आने में और अधिक समय लग सकता है। ऐसे में सरकार एक ओर आपूर्ति बनाए रखने का प्रयास कर रही है तो दूसरी ओर बढ़ती लागत के बावजूद किसानों को राहत पहुंचाने के लिए अतिरिक्त वित्तीय संसाधन जुटाने की तैयारी भी कर रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि मोदी सरकार की कुटनीति थी इस संकट के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भारत ने केवल खाड़ी क्षेत्र पर निर्भर रहने के बजाय रूस, मिख, कतर, नाज्जीरिया समेत कई देशों से खाद और उससे जुड़ी आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति सुनिश्चित की है। खाद विभाग के नवीनतम आकलन के अनुसार यदि मौजूदा वैश्विक कीमतें बनी रहती हैं तो चालू वित्त वर्ष में खाद सब्सिडी का बोझ बढ़कर लगभग 3.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जबकि इसके लिए बजट में केवल 1.7 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। युद्ध के बाद यूरिया की वैश्विक कीमतों में 120 प्रतिशत से अधिक, डीएपी में 38 प्रतिशत, सल्फर में 87 प्रतिशत और अमोनिया में 84 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। रुपये की कमजोरी के कारण लागत में अतिरिक्त बढ़ोतरी हो हुई है। भारत डीएपी, पोटाश और एनपीके जैसे प्रमुख उर्वरकों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में उथल-पुथल का सीधा असर देश पर पड़ता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार

किए की पर सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। खाद कारखानों को मिलने वाली गैस की आपूर्ति को पहले के लगभग 70 से 75 प्रतिशत स्तर से बढ़ाकर करीब 90 प्रतिशत तक कर दिया गया है। इससे उत्पादन क्षमता को बनाए रखने में मदद मिली है और घरेलू बाजार में खाद की उपलब्धता को स्थिर रखी जा सका है। हालांकि वैश्विक बाजार में यूरिया की कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं।

किराए के बहाने भारी वाहन लेकर फरार अंतरराज्यीय टग गिरोह का भंडाफोड़

5 आरोपी गिरफ्तार, जेसीबी-हाइवा-टाटा सफरी समेत लाखों का माल जब्त

मूक पत्रिका/जांजगीर-चांपा। पुलिस ने किराए के नाम पर भारी वाहन लेकर फ़ार होने वाले एक अंतरराज्यीय टग गिरोह का पर्दाफ़ाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 2 जेसीबी, 1 हाइवा, 1 टाटा सफरी, महंगा मोबाइल फ़ोन और मोटरसाइकिल जन्त की गई है। गिरोह पिछले तीन वर्षों से छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में इस तरह की ठगी को अंजाम दे रहा था।

थाना अकलतरा निवासी प्रार्थी प्रदीप कुमार कोसले ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उन्होंने अपनी जेसीबी मशीन (ष्टव 10 ष्ट 8743) किराए पर देने के लिए संपर्क किया था। सत्री पाटले के माध्यम से तीथराज कुर्ते और राहुल खांडे से बातचीत हुई। आरोपियों ने 1.40 लाख रुपये मासिक किराया तय कर 50 हजार रुपये



अग्रिम देने का झांसा देकर जेसीबी ले ली। वाहन लेते ही आरोपियों ने मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया और जीपीएस निकालकर बंद कर दिया। जीपीएस की अंतिम लोकेशन जबलपुर मिलने पर ठगी का खुलासा हुआ।

मामले में थाना अकलतरा में धारा 318(4), 61(2), 3(5), 112(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच

शुरू की गई। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे किरायानामा या खरीद-बिक्री का झांसा देकर वाहन लेकर दूसरे राज्य में बेच देते थे और नंबर बदलकर फ़ार हो जाते थे। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने रायपुर, बिलासपुर और अन्य स्थानों से जेसीबी, ट्रैलर और ट्रैक्टर इसी तरीके से हड़पे और जबलपुर सहित अन्य शहरों में बेच दिए।

गिरोह के सदस्य शिवम जायसवाल और मास्टरमाईड भरत गुप्ता को जबलपुर से गिरफ्तार किया गया। भरत गुप्ता के खिलाफ पहले से भी बिलासपुर सिविल लाइन थाना में जेसीबी ठगी का मामला दर्ज है। उसकी निशानदेही पर जबलपुर से जेसीबी बरामद की गई, वहीं हाइवा वाहन को फ़न्हनेसर द्वारा जब्त किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में तीथराज कुर्ते (21), निवासी बकरकूदा बिलासपुर, राहुल खांडे (24), निवासी सीपत-खम्हरिया, बिलासपुर, सत्री लाल पाटले (35), निवासी बम्हनीन, अकलतरा, शिवम जायसवाल (28), निवासी त्रिवेणी नगर, जबलपुर, भरत गुप्ता (47), निवासी व्यापार विहार बिलासपुर / विजय नगर, जबलपुर शामिल है। सभी आरोपियों से पुलिस ने 2 जेसीबी मशीन, 1 हाइवा वाहन, 1 टाटा सफरी, सैमसंग गैलेक्सी s24 अल्ट्रा मोबाइल ,घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल समान जब्त की है। जांजगीर-चांपा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वाहन किराए पर देने से पहले किरायेदार का पूर्ण सत्यापन कराएं, लिखित दस्तावेज तैयार करें और जीपीएस सिस्टम हमेशा चालू रखें, ताकि इस प्रकार की ठगी से बचा जा सके।

बम्हनीडीह नगर पंचायत चुनाव में 92.57 प्रतिशत मतदान, मतदाताओं ने दिखाया उत्साह

15 वार्डों के लिए शांतिपूर्ण हुआ मतदान, अध्यक्ष पद के 5 और पार्षद पद के 49 प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में बंद

मूक पत्रिका/जांजगीर चांपा। नगर पंचायत बम्हनीडीह के नगरीय निकाय निर्वाचन के तहत सोमवार को मतदान शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में हुआ। सुबह से ही मतदान केंद्रों में मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं और लोगों ने उत्साहपूर्वक अपने मतार्थिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी निभाई। शाम पांच बजे तक नगर पंचायत क्षेत्र में कुल 92.57 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसमें पुरुष मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 91.73 रहा, जबकि महिला मतदाताओं ने अधिक उत्साह दिखाते हुए 93.45 प्रतिशत मतदान किया।

नगर पंचायत बम्हनीडीह में पहली बार हुए चुनाव को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह रहा। यहां कुल 15 वार्ड हैं और प्रत्येक वार्ड के लिए एक-एक मतदान केंद्र बनाए गए थे। इस प्रकार कुल 15 मतदान केंद्रों में मतदान संपन्न



कराया गया। चुनाव में भाजपा कांग्रेस सहित अध्यक्ष पद के लिए पांच प्रत्याशी मैदान में हैं, जबकि 15 पार्षद पदों के लिए कुल 49 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। नगर पंचायत में 4390 मतदाताओं में से 4064 ने अपने मतार्थिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन की सभी औपचारिक प्रक्रियाएं रिटर्निंग

बीजापुर के युवाओं को मिली नई उड़ान, शुरू हुई करियर एकेडमी

कलेक्टर की पहल पर प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी, पहले दिन 100 से अधिक अभ्यर्थियों ने कराया पंजीयन

मूक पत्रिका/बीजापुर। जिले के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अब बेहतर और संगठित मंच उपलब्ध होगा। कलेक्टर विश्वदीप के मार्गदर्शन में बीजापुर करियर एकेडमी का शुभारंभ किया गया। इस पहल के तहत युवाओं को ऋष्ट, ष्टवर्कष्ट, स्स्ट, सीजी व्यापम, बैंकिंग और रेलवे सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराई जाएगी।

एकेडमी के शुभारंभ अवसर पर जिले के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। पहले ही दिन 100 से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के प्रति अपनी गंभीरता और उत्साह का परिचय दिया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की रणनीति, नवीनतम सिलेबस, समय प्रबंधन और सफलता के प्रभावी तरीकों की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि सही दिशा, नियमित अध्ययन और अनुशासन के साथ कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को ष्टवर्कष्ट परीक्षा का नवीनतम सिलेबस निःशुल्क वितरित



किया गया। अधिकारियों और शिक्षकों ने युवाओं को निरंतर अध्ययन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जानकारी के अनुसार, 2 जून से एकेडमी में नियमित कक्षाओं का संचालन शुरू होगा। प्रारंभिक चरण में दो बैच संचालित किए जाएंगे, जिनमें विशेष रूप से ष्टवर्कष्ट और ष्टव व्यापम परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। जिला प्रशासन का मानना है कि यह पहल ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को अपने जिले में ही गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगी और उनके सपनों को नई दिशा

देगी।

प्रमुख बातें

प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी के लिए करियर एकेडमी शुरू
UPSC, CGPSC, SSC, बैंकिंग, रेलवे सहित कई परीक्षाओं पर फोकस
पहले दिन 100 से अधिक युवाओं ने कराया पंजीयन
2 जून से शुरू होंगी नियमित कक्षाएं
प्रारंभिक चरण में ष्टवर्कष्ट और ष्टव व्यापम के दो बैच संचालित होंगे।

गुणवत्ता और निगरानी पर उठे गंभीर सवाल: छिंदगांव में पूर्व माध्यमिक शाला भवन निर्माण पर ग्रामीणों ने जताई चिंता

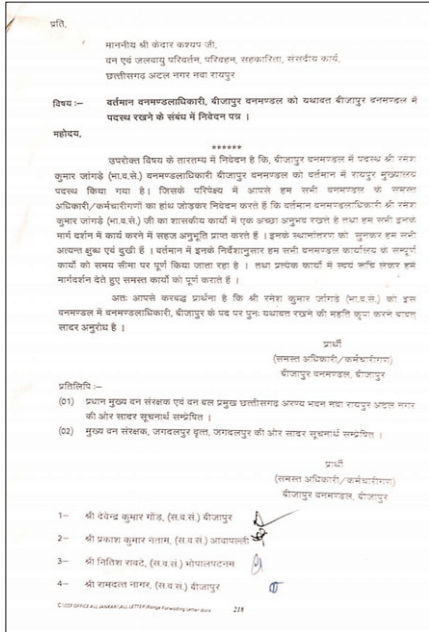
करोड़ों की विकास योजनाओं के बीच स्कूल भवन की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न, ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की उठाई मांग

पवन कुमार नाग/मुक्त पत्रिका। बकावंड विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत छिंदगांव में निर्माणाधीन शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भवन इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। जिस भवन में आसपास के कई गांवों के आदिवासी छात्र-छात्राएं भविष्य में शिक्षा ग्रहण करने पहुंचेंगे, उसी भवन की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई है। भवन की वर्तमान स्थिति को देखकर लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में आवश्यक तकनीकी मापदंडों और सुरक्षा मानकों का

पालन नहीं किया गया। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि समय रहते निर्माण की गुणवत्ता की जांच नहीं हुई, तो भविष्य में यह भवन बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है।

गुणवत्ताहीन निर्माण के आरोप, जिम्मेदार कौन?- स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि विभागीय अधिकारियों द्वारा समय-समय पर निर्माण कार्य की निगरानी की गई होती, तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि विभागीय लापरवाही और ठेकेदारों के साथ संभावित सांठाण्ट के बिना इतने बड़े स्तर पर गुणवत्ताहीन निर्माण संभव नहीं है। ग्रामीणों का मानना है कि किसी भी निर्माण कार्य में तकनीकी स्वीकृति, माप-पुस्तिका (एसबी) और विभागीय परीक्षण के बाद ही भुगतान की प्रक्रिया पूरी होती है। ऐसे में यदि निर्माण कार्य मानकों का अनुरूप नहीं है, तो इसकी जवाबदेही केवल सरपंच और सचिव तक सीमित नहीं रह सकती।



जानी चाहिए। साथ ही, ईमानदारी और निष्ठा से कार्य कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित न हो, इसका भी ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

वन विभाग के कर्मचारी

संगठन ने वन मंत्री से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करते हुए विभागीय कार्यों की निरंतरता तथा अधिक ारियों - कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखा जाए। संगठन ने विश्वास जताया कि जांच के बाद सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर उचित और न्यायसंगत निर्णय लिया जाएगा।

वन अमले ने एक स्वर में कहा कि वन संरक्षण, विभागीय विकास और जनहित से जुड़े कार्यों में डीएफओ रमेश जांगड़े का योगदान महत्वपूर्ण रहा है तथा उनके नेतृत्व में वन विभाग आगे भी बेहतर कार्य करता रहेगा।



बकावंड की कई पंचायतों में विकास कार्यों पर उठ रहे सवाल- छिंदगांव का मामला कोई अकेला उदाहरण नहीं माना जा रहा है। बकावंड विकासखंड की कई ग्राम पंचायतों में नाली, सीसी सड़क, पुलिया, सामुदायिक भवन और अन्य विकास कार्यों को लेकर भी ग्रामीणों में असंतोष देखा जा रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कई कार्य अधूरे पड़े हैं, कुछ स्थानों पर कार्य शुरू ही नहीं हुए, जबकि संबंधित योजनाओं की राशि आहरित किए जाने की चर्चा क्षेत्र में

आम है। वहीं जहां निर्माण कार्य पूरे हुए हैं, वहां भी गुणवत्ता को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं। कई जगह सीसी सड़कें उखड़ने लगी हैं, नालियां क्षीणस्त हो रही हैं और भवनों में दरारें दिखाई देने लगी हैं।

वर्षों से एक ही क्षेत्र में पदस्थ इंजीनियर की भूमिका पर चर्चा- क्षेत्र में विभागीय इंजीनियर दुधंत सिंह ठकुरी हुई हैं। ग्रामीणों का दावा है कि वे पिछले लगभग 15 से 20 वर्षों से इसी क्षेत्र में पदस्थ हैं।



ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय तक एक ही क्षेत्र में पदस्थ रहने से निगरानी व्यवस्था की निष्पक्षता और जवाबदेही की सवाल खड़े होते हैं। लोगों का मानना है कि विकास कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों का समय-समय पर स्थानांतरण और स्वतंत्र तकनीकी जांच आवश्यक है।

सिर्फ जनप्रतिनिधि नहीं, विभागीय अधिकारियों की भी तय हो जवाबदेही- ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्यों में अनियमितता, गुणवत्ता में

कमी या भुगतान प्रक्रिया में गड़बड़ी सामने आती है, तो इसकी जिम्मेदारी केवल पंचायत प्रतिनिधियों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। तकनीकी परीक्षण करने वाले अधिकारी, स्वीकृति देने वाले विभागीय कर्मचारी और निगरानी की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए।

उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज- क्षेत्र के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और शासन से मांग की है कि बकावंड विकासखंड की विभिन्न पंचायतों में हुए

निर्माण कार्यों की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही कार्यों की गुणवत्ता, भुगतान प्रक्रिया, तकनीकी स्वीकृतियों और निगरानी व्यवस्था की समीक्षा कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य जनता को लाभ पहुंचाना है, लेकिन यदि निर्माण कार्यों में ही अनियमितता होगी तो विकास का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

छिंदगांव के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भवन निर्माण को लेकर उठे सवाल केवल एक भवन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह पूरे निर्माण और निगरानी तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करते हैं। जिस भवन में क्षेत्र के बच्चे अपना भविष्य सवारने पहुंचेंगे, उसकी गुणवत्ता और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। अब देखा होगा कि प्रशासन इन आरोपों को कितनी गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराता है और जनता के सामने सच्चाई कब तक लाता है।



विराट कोहली
75 रन
42 गेंद
9 चौके
3 छक्के

सात्विक-चिराग ने पहली बार सिंगापुर ओपन जीता

इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया; आखिरी बार 2024 में कोई खिताब जीता था

सिंगापुर। भारत की पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सिंगापुर ओपन सुपर 750 का खिताब जीत लिया है। उन्होंने रविवार 31 मई को खेले गए फाइनल में इंडोनेशिया की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी फजार अल्फयान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी को 18-21, 21-17 और 21-16 से हराया। सात्विक-चिराग ने आखिरी खिताब थाईलैंड ओपन 2024 जीता था। इसके बाद वे कई बड़े टूर्नामेंटों में फाइनल तक पहुंचे, लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत सके। जोड़ी का यह नौवां ब्रह्मच (बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन) वर्ल्ड खिताब है।

जीत के बाद ‘भाग मिल्खा भाग’ का गाना बजा खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग कोर्ट पर खुशी से झूम उठे। दोनों



खिलाड़ियों ने जीत का जश्न डांस करके मनाया। पुरस्कार समारोह में उन्हें ट्रॉफी, गोल्ड मेडल और 70 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी गई।

पोडियम समारोह के दौरान फिल्म ‘भाग मिल्खा भाग’ का शीर्षक गीत बजाया गया। चिराग शेट्टी ने पोडियम पर आंखें बंद कर ली थी। सात्विक बोले- ‘शब्दों में बयां करना

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार आईपीएल जीत लिया है। टीम ने गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हरा दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को बेंगलुरु ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। जवाब में विराट कोहली के नाबाद 75 रन की बदैलत बेंगलुरु ने 18 ओवर में 161 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया। धोनी-रोहित के एलीट क्लब में पहुंचे रजत पाटीदार; पिछले छह साल में लीग में ऐसा करने वाले पहले कप्तान

रजत ने पूरे सीजन दमदार कप्तानी की। उनकी कप्तानी में आरसीबी ने लीग स्टेज में 14 मैचों में नौ मैच जीते, जबकि फिर क्वालिफायर-1 और फाइनल जीतकर खिताब अपने नाम किया।

आईपीएल 2026 का फाइनल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

मुश्किल’ कोर्टसाइड इंटरव्यू में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने कहा, ‘इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। इससे पहले हम हमेशा सिंगापुर में हारते रहे हैं। यह खेलने के लिए सबसे बेहतरीन स्टेडियमों में से एक है।’ उन्होंने सपोर्ट के लिए दर्शकों को धन्यवाद दिया।

पहला गेम हारने के बाद वापसी की

सात्विक-चिराग अपना पहला गेम 18-21 से हार गए थे। इसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए दूसरे गेम को 21-17 से जोकर मैच में बराबरी की। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने आखिरी और तीसरे गेम में इंडोनेशिया की जोड़ी को 21-16 से हराकर ट्रॉफी जीत ली।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो। इंग्लैंड और वेल्स में इसी माह होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी देश अपनी टीमों घोषित कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीलंकाई बोर्ड ने भी चमारी अथापथु की कप्तानी में 15-सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अथापथु के लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उसने इस टूर्नामेंट के पिछले सभी 9 संस्करणों में खेला है। श्रीलंकाई टीम को विश्वकप के लिए ग्रुप 2 में

मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है। अथापथु के नेतृत्व में टीम 12 जून को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वह एजबेस्टन में खेले



जाने वाले पहले मैच में मेजबान टीम से मुकाबला करेगी।

टीम में नई खिलाड़ियों इमेशा दुलानी, हंसिमा करुणरत्ने, कोशिनी नुथ्यंगना, सुगदिका दसानायका, निमाशा मधुशानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा और मिताली अयोध्या को भी शामिल किया गया है। ये सभी महिला टीम 20 विश्व कप में

पहली बार खेलेंगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों में कई अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और नीलाक्षी सिल्वा। श्रीलंकाई टीम ने हाल ही में 3-0 से टी20 सीरीज जीती है जिससे वह उत्साहित है। अब उसका लक्ष्य विश्वकप में प्रभावित करना है।

टीम इस प्रकार है : चमारी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, इमेशा दुलानी, नीलाक्षी सिल्वा, कविषा दिलहारी, हंसिमा करुणरत्ने, कोशिनी नुथ्यंगना, सुगदिका दसानायका, निमाशा मधुशानी, शशिनी गिम्हानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा, मिताली अयोध्या।



हंगरी के बुडापेस्ट में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में जीत के बाद ट्रॉफी के साथ पोज देते हुए पेरिस सेंट जर्मेन के कोच लुईस इनरिकी, टीम के खिलाड़ी और प्रशंसक।

बेंगलुरु लगातार दूसरी बार आईपीएल चैंपियन

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार आईपीएल जीत लिया है। टीम ने गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हरा दिया। 156 रन के लक्ष्य को आरसीबी ने 18वें ओवर में हासिल कर लिया। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी का यह लगातार दूसरा खिताब है। टीम ने 17 सीजन तक एक भी खिताब नहीं जीता था, लेकिन 18वें और 19वें सीजन में लगातार दो खिताब जीत लिए। इसी के साथ रजत पिछले छह साल में सबसे कामयाब कप्तान बन गए हैं।

रोहित-धोनी के बाद किया ऐसा

वहीं, रजत आखिरकार इस कर्स को तोड़ने में कामयाब रहे। रजत से पहले ऐसा रोहित शर्मा ने किया था, जब उनकी कप्तानी में 2019 और 2020 में मुंबई इंडियंस ने लगातार दो खिताब जीते थे। उससे पहले ऐसा 2010 और 2011 में हुआ था, जब धोनी की कप्तानी में सीएसके ने लगातार दो खिताब जीते थे। अब इस खास लिस्ट में रजत पाटीदार

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीआई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गंद और बल्ले दोनों से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले समाह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस दौरान उनकी शारीरिक स्थिति और मैच फिटनेस का आकलन किया जाएगा। पंड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने को लेकर फैसला फिटनेस जांच में पास होने पर ही होगा।



सबसे सफल कप्तानों में रजत

रजत एक से ज्यादा बार ट्रॉफी जीतने वाले चौथे कप्तान हैं। उन्होंने गौतम गंभीर की बराबरी की, जिन्होंने 2012 और 2014 में केकेआर को खिताब दिलाया था। वहीं, धोनी आरसीबी की टीम को सिर्फ आठ मैच में हार मिली है।

नॉर्वे चेस में गुकेश की वापसी, प्रज्ञानानंद को हराया

कार्लसन हारे; दिव्या देशमुख विमेंस कैटेगरी में नंबर-1 पर आई

नईदिल्ली। वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश ने नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में वापसी की। उन्होंने 5वें राउंड में अपने हमवतन आर. प्रज्ञानानंद को क्लासिकल मुकाबले में हराया। वे टाइटल की रस में बने हुए हैं। एक दिन पहले 20वां जन्मदिन मनाते वाले गुकेश ने पूरे तीन अंक हासिल किए और 6.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

एक गलती से हारे प्रज्ञानानंद रागोजिन डिफेंस से शुरू हुआ यह मुकाबला काफी उत्तार-चढ़ाव भरा रहा। दोनों खिलाड़ियों के पास जीत के अवसर थे, लेकिन समय के दबाव में प्रज्ञानानंद की एक



गलती निर्णायक साबित हुई। गुकेश ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए चेकमेट के जरिए मुकाबला अपने नाम कर लिया। कार्लसन अमेरिकी ग्रैंडमास्टर से हारे दूसरी ओर मौजूदा चैंपियन मैग्नस कार्लसन को अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो से हार का सामना करना पड़ा। पांच दौर के बाद कार्लसन 4.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं, जबकि

रजत का नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज

रजत 2021 से शुरू हुए दशक में फिलहाल इकलौते ऐसे कप्तान हैं, जिन्होंने लगातार दो बार आईपीएल का खिताब जीता है। इससे पहले हार्दिक पांड्या और श्रेयस अय्यर भी इस मुकाम तक पहुंचकर दूर रह गए थे। हार्दिक की कप्तानी में गुजरात की टीम 2022 और 2023 में लगातार दो सीजन फाइनल में पहुंची थी। हार्दिक 2022 में तो खिताब जीतने में कामयाब रहे थे, लेकिन 2023 में उनकी टीम को हार मिली थी। वहीं, श्रेयस की कप्तानी में 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था, जबकि 2025 में श्रेयस पंजाब किंग्स के कप्तान रहे थे। तब पंजाब की टीम फाइनल में तो पहुंची, लेकिन आरसीबी से हार गई थी।

अलीरेजा फिरूजा 10 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं।

दिव्या की खिल्लाड़ी को हराया

महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने चीन की झू जिनर को 84 चालों तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराकर पहली बार एकल बहत हासिल की। दिव्या अब 8.5 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। भारत की कोनेरु हम्पी ने भी महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन को हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से नॉर्वे चेस में भारत की चुनौती और मजबूत हो गई है।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली । 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से ट्वाई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस उमरते हुए बल्लेबाज की धमाकेदार फॉर्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली ट्वाई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं। उससे भी



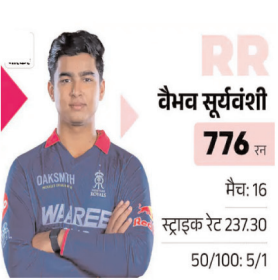
चयनसमिति प्रभावित है। उनका निजर होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह तिलक वर्मा की कप्तानी में भारत ए की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। भारत ए टीम 9 जून से शुरू होने वाली त्रिकोणीय सीरीज खेलेंगे। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये टूर्नामेंट 21 जून को समाप्त होगा।

सूर्यवंशी ने 776 रन बनाए, प्रिंस ने कोहली को बोल्ट किया; रसिख खेलेंगे फाइनल

आईपीएल 2026 ने दिए भारत को 10 फ्यूचर स्टार्स

मुंबई। आईपीएल का फाइनल आज अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा। इस सीजन में कई अनकैड खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से टीमों की जीत में अहम भूमिका निभाई। वैभव सूर्यवंशी, प्रिंस यादव, प्रफुल हिगे और आयुष म्हात्रे जैसे युवा सितारे चर्चा में रहे। स्टोरी में ऐसे ही 10 अनकैड भारतीय प्लेयर्स, जो आने वाले समय में टीम इंडिया के लिए डेब्यू कर सकते हैं।

वैभव सूर्यवंशी, राजस्थान रॉयल्स



वैभव सूर्यवंशी
776 रन
मैच: 16
स्ट्राइक रेट 237.30
50/100: 5/1

बिहार के 15 साल के लेफ्ट हैंड बैटर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। पिछले सीजन में सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू और सबसे तेज भारतीय शतक लगाने वाले वैभव ने इस बार 16 मैचों में 776 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 237.30 का रहा, जबकि उन्होंने 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाए।

राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 2025 मेगा ऑक्शन में 1.10 करोड़ रुपए में खरीदा था। वैभव ने 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी डेब्यू किया था और भारत की अंडर-19 टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं। वैभव ने 20 या इससे कम गेंदों में 5 फिफ्टी लगाई। इस सीजन उन्होंने 36 बॉल में शतक लगाया। हालांकि उनका सबसे यादगार प्रदर्शन प्लेऑफ के एलिमिनेटर में आया, जब उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ महज 29 गेंदों पर 97 रन ठेक दिए। इस पारी में उन्होंने 12

छक्के लगाए और एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उनके नाम अब 72 छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। वैभव ने इसके बाद क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 47 गेंदों पर 96 रन बनाए। हालांकि राजस्थान रॉयल्स उस मैच में हारकर फाइनल तक पहुंचाने में नाकाम रही। 15 साल की उम्र में वे आईपीएल सीजन में 600+ रन बनाने वाले पहले बैटर भी बन



आयुष म्हात्रे, चेन्नई सुपर किंग्स

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में आयुष अनसोल्ड रहे, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद उन्हें रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया गया। मुंबई के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में उन्होंने अपना आईपीएल और टी-20 डेब्यू किया। छद्म के सबसे

मुंबई के 18 साल के ओपनर आयुष म्हात्रे चोट की वजह से इस आईपीएल में सिर्फ 6 ही मैच खेल सके। इसमें उन्होंने 177.87 की स्ट्राइक रेट से 201 रन बनाए।

आयुष ने 17 साल की उम्र में मुंबई के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया और 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन के अपने तीसरे ही मैच में शतक जड़ दिया। 2024 के आखिर में उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में 117 गेंदों पर 181 रन बनाकर लिस्ट-ए क्रिकेट में 150+ रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज का रिकॉर्ड बनाया।

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में आयुष अनसोल्ड रहे, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद उन्हें रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया गया। मुंबई के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में उन्होंने अपना आईपीएल और टी-20 डेब्यू किया। छद्म के सबसे

हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बनी

ब्रिस्टल। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कोर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक नया रिकार्ड बनाया है। हरमनप्रीत ने इस मैच में 22 गेंदों पर 22 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4000 रन पूरे कर लिए। हरमनप्रीत हालांकि इस पारी के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने में असफल रही। अब हरमनप्रीत न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सुजी बेट्स और अपनी ही साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयी हैं। हो गई हैं। हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजिता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स के नाम है। सुजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।



हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजिता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स के नाम है। सुजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजिता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स के नाम है। सुजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

अंगकृष रघुवंशी, कोलकाता नाइट राइडर्स

दिल्ली में जन्मे अंगकृष 11 साल की उम्र में मुंबई आ गए थे। यहां उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिषेक नायर और कोच ओमकार साल्वी की देखरेख में ट्रेनिंग ली। इसके बाद उन्होंने मुंबई को ही अपना स्थायी किाना बना लिया। 2023-24 सीजन में उन्होंने मुंबई के लिए लिस्ट-ए और टी-20 डेब्यू किया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए कोलकाता ने आईपीएल 2024 ऑक्शन में 20 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा।



अंगकृष रघुवंशी, कोलकाता नाइट राइडर्स

दिल्ली में जन्मे अंगकृष 11 साल की उम्र में मुंबई आ गए थे। यहां उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिषेक नायर और कोच ओमकार साल्वी की देखरेख में ट्रेनिंग ली। इसके बाद उन्होंने मुंबई को ही अपना स्थायी किाना बना लिया। 2023-24 सीजन में उन्होंने मुंबई के लिए लिस्ट-ए और टी-20 डेब्यू किया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए कोलकाता ने आईपीएल 2024 ऑक्शन में 20 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा।

